



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 31]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 18, 1991/पौष 28, 1912

No. 31]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 18, 1991/PAUSA 28, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रचा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1991

सा.का.नि. 37(अ) — विदेशियों का रजिस्ट्रीकरण नियम, 1990 का निम्नलिखित प्रारूप जिन्हें केन्द्रीय सरकार विदेशियों का रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1939 (1939 का 16) की धारा 3 द्वारा प्रबल शक्तियों का प्रयोग करने हुए, विदेशियों का रजिस्ट्रीकरण नियम, 1939 को अधि-क्रांत करने हुए, बनाने की प्रस्तावना करती है, उक्त धारा की अपेक्षा-नुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाना है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है और सूचना दी जाती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् उक्त प्रारूप और नियमों पर विचार किया जाएगा।

उक्त प्रारूप और नियमों के संबंध में इसके लिए विनिर्दिष्ट अवधि से पहले किसी व्यक्ति से प्राप्त किन्हीं आक्षेपों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

प्रारूप नियम

विदेशियों का रजिस्ट्रीकरण नियम, 1990

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम विदेशियों का रजिस्ट्रीकरण नियम, 1939 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

(3) इनका विस्तार सम्पूर्ण भारत पर है।

2. परिभाषाएं और निर्वाचन:—इन नियमों में जब तक कि कोई बात विषय या संबंध में विरुद्ध न हो:—

(क) “अधिनियम” से विदेशियों का रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1939 अभिप्रेत है;

(ख) “रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र” से नियम 7 के अनुसरण में जारी किया गया रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र अभिप्रेत है—

(ग) “प्रारूप” से इन नियमों से संलग्न प्रारूपों में से कोई प्रारूप अभि-प्रेत है;

(घ) “अलयान का मास्टर” के अन्तर्गत किसी वायुयान का पाइलट और ऐसे मास्टर या पाइलट द्वारा अपनी ओर से उन कर्तव्यों में से किसी का पालन करने के लिए जो, इन नियमों द्वारा उन पर अधिरोपित किए गए हैं, प्राधिकृत कोई व्यक्ति भी है;

(ङ) “यात्री” से अलयान पर यात्रा करने वाला या यात्रा करने का इच्छुक ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो सद्भाविक साविक नहीं है;

(च) “रजिस्ट्रीकृत पता” से किसी विदेशी का भारत में वह पता अभिप्रेत है जो नियम 5 के अधीन रिपोर्ट किया गया है और जो

जो उसको रजिस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र की गव II में अभिलिखित है ;

- (छ) "रजिस्ट्रीकरण अधिकारी" से नियम 3 को अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त किया गया रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत वह प्राधिकारी भी है जिसे रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने अपनी और से रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कर्तव्यों का पालन करने के लिए लिखित रूप में प्राधिकृत किया है—
- (ज) "निवास स्थान" से भारत में सामान्य निवास-स्थान अभिप्रेत है ;
- (झ) "नाविक" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो किसी जलयान पर नियोजित है या उसको कार्यकरण में लगाया गया है ;
- (ट) पर्यटक" से ऐसा विदेशी अभिप्रेत है जिसका भारत में कोई निवास स्थान या उपजीविका नहीं है, जो सामान्यतया भारत में छह मास से अधिक नहीं ठहरता है, जिसका भारत भ्रमण का उद्देश्य आमोद-प्रमोद, दृश्य दर्शन या भारत सरकार अथवा अन्तरराष्ट्रीय निकायों द्वारा संयोजित अधिवेशनों में प्रतिनिधि की हैसियत से उपस्थित होने से भिन्न कोई अन्य उद्देश्य नहीं है ;
- (ठ) "जलयान" को अन्तर्गत वायुयान भी है, किन्तु इसके अन्तर्गत कोई ऐसा जलयान नहीं है जो केवल भारत में पत्तनों या स्थानों के बीच यात्रा करता है ।

3. रजिस्ट्रीकरण अधिकारी—(1) केन्द्रीय सरकार, "इन नियमों के प्रयोजनों के लिए ऐसे, क्षेत्रों के लिए जो यह उपयुक्त समझे रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त कर सकेगी।

(2) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन से इन नियमों के अधीन अपने किन्हीं या सभी कृत्यों का पालन करने के लिए किसी प्राधिकारी को लिखित रूप में प्राधिकृत कर सकेगी।

4. जलयानों के यात्रियों द्वारा भारत में आगमन की रिपोर्ट:— प्रत्येक यात्री, जो किसी जलयान पर भारत पहुँचता है, जलयान के मास्टर द्वारा, या उसकी ओर से ऐसा करने की अपेक्षा किए जाने पर, अपने पर, अपने नाम और राष्ट्रिकता अपनी आयु, लिंग, जन्म स्थान और भारत में पता या आगमन पता, अपने भ्रमण का प्रयोजन और भारत में ठहरने की प्रस्तावित अवधि के बारे में सही विभिन्नियाँ देगा।

5. विदेशियों द्वारा भूमि मार्ग से भारत में आगमन और भारत से प्रस्थान की रिपोर्ट:—प्रत्येक विदेशी, जो भूमि मार्ग से भारत से प्रवेश करता है या भारत से जाता है, यथास्थिति, आगमन या प्रस्थान के स्थान के रजिस्ट्रीकरण अधिकारों द्वारा ऐसा करने की अपेक्षा किए जाने पर, प्रश्न 'घ' में उपवर्णित विभिन्नियों का सही विवरण उसे देगा।

6. विदेशी द्वारा भारत में अपने पते, आदि की रिपोर्ट:—(1) प्रत्येक विदेशी, जो भारत में प्रवेश करता है या भारत में निवास करता है, नियम 7 में विनिर्दिष्ट समुचित रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को, उस नियम में विनिर्दिष्ट समय के भीतर एक रिपोर्ट (जिसे इसमें इसके पश्चात् रजिस्ट्रीकरण रिपोर्ट कहा गया है) स्वयं प्रस्तुत करेगा ;

परन्तु ऐसी रिपोर्ट उस विदेशी की दशा में आवश्यक नहीं होगी जो ऐसे बीजा पर भारत में प्रवेश करता है जो अधिक से अधिक एक सौ अस्सी दिन की अवधि के लिए विधिमार्ग है, और जो उक्त अवधि के पश्चात् भारत में नहीं रहता है :

परन्तु यह और कि ऐसी पर्याप्त महिला से, जिसके साथ कोई पुरुष साथी है, रजिस्ट्रीकरण रिपोर्ट स्वयं प्रस्तुत करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी, किन्तु वह अपने पुरुष साथी के माध्यम से ऐसा कर सकेगा।

(2) प्रत्येक रजिस्ट्रीकरण रिपोर्ट लिखित रूप में अंग्रेजी भाषा में या हिन्दी भाषा में और चार प्रतियों में की जाएगी और उसमें भारत में विदेशों के पते और प्रत्येक की सब 2 से 10 तक में विनिर्दिष्ट अन्य विभिन्नियों का, और प्रत्येक की सब 12 से 16 तक में विनिर्दिष्ट ऐसी विभिन्नियों का, जो सम्बन्धित हों, सही विवरण होगा—

(3) उपनियम (2) के प्रयोजन के लिए, किसी विदेशी का भारत में पता निम्नलिखित होगा :—

(क) उसके निवास का स्थान, या

(ख) यदि उसका कोई निवास स्थान नहीं है तो वह स्थान जहाँ वह रजिस्ट्रीकरण रिपोर्ट करते समय रह रहा है या वह स्थान जहाँ भारत में अपने आगमन के पश्चात् सर्वप्रथम रहने का आशय रखता है :

परन्तु, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के अनुमोदन के अधीन रहने हुए, ऐसा विदेशी, जिसका भारत में कोई निवास स्थान नहीं है, भारत से निवास करने वाले किसी ऐसे भारतीय नागरिक की पूर्व सम्मति अभिप्राप्त करके, जो बैंककार या किसी होटल या पर्यटक या यात्रा अभिकरण का प्रबंध करने वाला व्यक्ति है, भारत में अपने पते के रूप में उक्त भारतीय नागरिक का नाम और पता रिपोर्ट कर सकेगा और तब उस भारतीय नागरिक का नाम और पता तब तक भारत में विदेशों का पता समझा जाएगा जब तक उपनियम (4) के उपबन्धों का अनुपालन होता रहता है

परन्तु यह और कि ऐसे विदेशी की दशा में जिस का भारत में कोई निवास स्थान नहीं है, जिसकी उपजीविका ऐसा है जिसके कारण बारबार यात्रा करने की आवश्यकता होती है, जिसका उचित समय के भीतर उस जिले में वापस आने की सम्भावना नहीं है जिसमें वह किसी समय रह रहा है और जो पूर्वगामी परन्तु के उपबन्ध का लाभ उठाने में असमर्थ है, उस जिले के रजिस्ट्रीकरण अधिकारी का कार्यालय, जिसमें उसके भारत में अपने आगमन पर सर्वप्रथम रजिस्ट्रीकरण कराया है, भारत में उसका पता समझा जाएगा।

(4) किसी ऐसे मामले में जिसको उपनियम (3) का परन्तु लागू होता है —

(क) विदेशी का यह कर्तव्य होगा कि वह भारतीय नागरिक को अपना वर्तमान पता संसूचित करके, और

(ख) भारतीय नागरिक का भी यह कर्तव्य होगा कि वह विदेशी संबंधी अपने कब्जे में की ऐसी समस्त जानकारी प्रदान करे जिसकी किसी रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, मजिस्ट्रेट या ऐसे पुलिस अधिकारी द्वारा, जो हैड क्वार्टरबल की पक्ति से नीचे का नहीं है, अधिनियम या इन नियमों के किन्हीं प्रयोजनों के लिए मांग की जाए।

(5) प्रत्येक की प्रतियाँ आवेदन देकर रजिस्ट्रीकरण अधिकारी से से अभिप्राप्त की जा सकती हैं।

7. रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रक्रिया—(1) रजिस्ट्रीकरण रिपोर्ट—

(क) ऐसे विदेशी की दशा में जो एक सौ अस्सी दिन या उससे कम की अवधि के लिए भारत में ठहरने के लिए विधिमार्ग बीजा पर भारत में प्रवेश करता है और जो एक सौ अस्सी दिन की अवधि के पश्चात् भारत में ठहरना चाहता है, उस रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी को प्रस्तुत की जाएगी जिसकी अधिकारिता उस स्थान पर है, जहाँ उक्त विदेशी ऐसी रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने के समय उपस्थित है ;

(ख) ऐसे विदेशी की दशा में जो एक सौ अस्सी दिन से अधिक की अवधि के लिये भारत में ठहरने के लिए विधिमार्ग बीजा पर भारत में प्रवेश करता है, ऐसे रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को प्रस्तुत की जाएगी जिसे पठन या आगमन के अन्य स्थान के रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट किया जाए—

(ग) ऐसे विदेशों का दशा में, जो बीजा पर प्रवेश करने से अन्यथा भारत में प्रवेश करता है, उस रजिस्ट्रिकरण अधिकारी को प्रस्तुत की जाएगी, जिसकी अधिकारिता उस स्थान पर है, जहाँ उक्त विदेशी ऐसा रिपोर्ट प्रस्तुत करने के समय उपस्थित है;

(घ) ऐसे व्यक्ति की दशा में जो भारत में निवासी होते हुए भारत का नागरिक न रह जाने के कारण विदेशी बन जाता है उस रजिस्ट्रिकरण अधिकारी को प्रस्तुत की जाएगी जिसकी अधिकारिता उस स्थान पर है जहाँ उसका निवास सामान्यतया निवास करता है।

(2) रजिस्ट्रिकरण रिपोर्ट—

(क) उपनियम (1) के खंड (क) में निर्दिष्ट विदेशों का दशा में उसके भारत में आगमन के पश्चात् एक या अस्सी दिन समाप्त होने पर दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत की जाएगी।

(ख) उपनियम (1) के खंड (ख) में निर्दिष्ट विदेशों का दशा में, उसके भारत में आगमन के सात दिन के भीतर प्रस्तुत की जाएगी—

(ग) उपनियम (1) के खंड (ग) में निर्दिष्ट विदेशों का दशा में इसके भारत में ठहरने की प्रतिकृत अवधि का समाप्ति के तुरन्त पश्चात् की जाएगी;

(घ) उपनियम (1) के खंड (घ) में निर्दिष्ट विदेशों का दशा में, उसके भारत का नागरिक न रह जाने के पश्चात् दस दिन के भीतर प्रस्तुत की जाएगी।

स्पष्टीकरण—उपनियम (1) और उपनियम (2) के प्रयोजन के लिए वह तारीख, जिसकी सञ्चित व्यक्ति भारत का नागरिक नहीं रह गया समझा जाएगा—

(क) जहाँ उसने स्वेच्छा से देशाधिकरण या रजिस्ट्रिकरण द्वारा किसी अन्य देश को नागरिकता अर्जित कर ली है वहाँ ऐसे देशाधिकरण रजिस्ट्रिकरण की तारीख होगी;

(ख) जहाँ उसने किसी अन्य देश की सरकार से पासपोर्ट अग्रिमप्राप्त कर लिया है वहाँ वह तारीख होगी जिसकी ऐसा पासपोर्ट अग्रिमप्राप्त किया गया था;

परन्तु ऐसे व्यक्ति का दशा में जिसकी दायित्व नागरिकता अधिनियम, 1955 (1955 का 57) की धारा 9 की उपधारा (2) के अधीन यह अभिविधित करने हुए आदेश किया गया है कि उसने विदेश का नागरिकता अर्जित कर ली थी, ऐसी तारीख पूर्वोक्त आदेश की तारीख होगी।

(3) रजिस्ट्रिकरण रिपोर्ट प्रस्तुत करने वाला प्रत्येक विदेशी रजिस्ट्रिकरण अधिकारी को, उसमें विनिर्दिष्ट विनिर्दिष्टियों का यथार्थता के बारे में उक्त अधिकारी का समाधान करने के प्रयोजन के लिए, ऐसी जानकारी देगा जो उसके कब्जे में है और, ऐसा करने का अपेक्षा किए जाने पर, रजिस्ट्रिकरण रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करेगा और तब उक्त अधिकारी से प्रत्येक के भाग 3 में रजिस्ट्रिकरण का प्रमाणपत्र प्राप्त करने का हकदार होगा:

परन्तु किमां ऐसे मामले में जिसमें किसी ऐसे विदेशी द्वारा जिसका भारत में पता उसके भारत आगमन के पत्तन या अन्य स्थान के रजिस्ट्रिकरण अधिकारी का अधिकारिता के भीतर नहीं है, उपनियम (1) के खंड (ख) के अनुसार रजिस्ट्रिकरण रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है, प्रत्येक में अस्थायी प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा और तत्पश्चात् उक्त विदेशी प्रत्येक में उपवर्णित शर्तों का अनुपालन करेगा।

परन्तु यह और कि ऐसे विदेशों में, जिनका पासपोर्ट या पहचान की अन्य दस्तावेजों रजिस्ट्रिकरण अधिकारी की राय में, पहचान का पर्याप्त सबूत नहीं देती है, अपनी रजिस्ट्रिकरण रिपोर्ट प्रस्तुत करने के पश्चात् इतनी अवधि के भीतर जितनी ऐसा अधिकारी नियत करे, रजिस्ट्रिकरण अधिकारी का या तो अपने पासपोर्ट आकार

के फोटो की चार प्रतियाँ, जिसमें से एक प्रत्येक के भाग 3 पर चिपवाई जायेगी और उस पर रजिस्ट्रिकरण अधिकारी की मोहर लगाई जायेगी या उसके अंगुली चिन्हों के चार पूरे सैट जिसमें से एक प्रत्येक के भाग 3 पर लगाया जायेगा, जिसकी भी रजिस्ट्रिकरण अधिकारी अपेक्षा करे, देने की अपेक्षा की जायेगी। अंगुलि चिन्ह रजिस्ट्रिकरण अधिकारी की उपस्थिति में लगाये जायेंगे और प्रत्येक सैट उसके द्वारा अनुप्रमाणित किया जायेगा।

8. रजिस्ट्रिकरण के प्रमाणपत्र की विधिवान्यता का अवधि—किसी विदेशी की बाबत जारी किया गया रजिस्ट्रिकरण का प्रमाणपत्र तब तक विधिवान्य रहेगा जब तक विदेशी भारत से प्रस्थान नहीं करता।

9. पहचान के सबूत का पेश किया जाता—(1) प्रत्येक विदेशी, जिसका रजिस्ट्रिकरण अधिकारी, मजिस्ट्रेट या ऐसे पुलिस अधिकारी द्वारा, जो हैड कांस्टेबल की पंक्ति से नीचे का नहीं है, उससे मांग किये जाने पर चौबीस घंटे के भीतर, ऐसे स्थान पर जो विनिर्दिष्ट किया जाये, अपना पासपोर्ट या अपनी पहचान का ऐसा अन्य सबूत पेश करेगा जिसकी इन नियमों के प्रवर्तन में संबंधित किसी प्रयोजन के लिये अपेक्षा की जाये:

परन्तु उक्त रजिस्ट्रिकरण अधिकारी, मजिस्ट्रेट या पुलिस अधिकारी, पर्याप्त हेतुक दणित किये जाने पर, पूर्वोक्त चौबीस घंटे की अवधि का इतनी अवधि के लिये बढ़ा सकेगा जितनी परिस्थितियों के अनुसार उक्त पासपोर्ट या पहचान का अन्य सबूत पेश करने के लिये आवश्यक हो।

(2) भारत में प्रवेश करने वाला प्रत्येक विदेशी रजिस्ट्रिकरण अधिकारी द्वारा उससे मांग किये जाने पर, अपना पासपोर्ट या पहचान का अन्य सबूत उस अधिकारी का परिदृष्ट करेगा और तत्पश्चात् अपना पासपोर्ट वापस प्राप्त करने के प्रयोजन के लिये रजिस्ट्रिकरण अधिकारी द्वारा निर्दिष्ट समय और स्थान पर हाजिर होगा।

(3) जहाँ कोई विदेशी उपनियम (2) के अनुसरण में अपने पासपोर्ट या पहचान के अन्य सबूत को अग्रिमप्राप्त करता है वहाँ वह रजिस्ट्रिकरण अधिकारी से उसकी रसीद प्राप्त करने का हकदार होगा।

10. रजिस्ट्रिकरण के प्रमाणपत्र का पेश किया जाता—प्रत्येक रजिस्ट्रिकरण विदेशी, किसी रजिस्ट्रिकरण अधिकारी, मजिस्ट्रेट या ऐसे पुलिस अधिकारी द्वारा जो हैड कांस्टेबल की पंक्ति से नीचे का नहीं है, उससे मांग किये जाने के चौबीस घंटे के भीतर ऐसे रजिस्ट्रिकरण अधिकारी, मजिस्ट्रेट या पुलिस अधिकारी के निरीक्षण के लिये अपना रजिस्ट्रिकरण का प्रमाण पत्र पेश करेगा या पेश करवायेगा:

परन्तु रजिस्ट्रिकरण अधिकारी, मजिस्ट्रेट या पुलिस अधिकारी पर्याप्त हेतुक दणित किये जाने पर पूर्वोक्त चौबीस घंटे की अवधि की उतनी अवधि तक बढ़ा सकेगा जितनी परिस्थितियों के अनुसार उक्त प्रमाणपत्र पेश करने के लिये मुक्तियुक्त रूप से आवश्यक हो:

परन्तु यह और कि यदि रजिस्ट्रिकरण अधिकारी, मजिस्ट्रेट या ऐसे पुलिस अधिकारी को, जो निरीक्षक की पंक्ति से नीचे का नहीं है, यह राय है कि विदेशी द्वारा पेश किया गया पासपोर्ट या पहचान का अन्य दस्तावेजों पहचान का पर्याप्त सबूत नहीं देता है और यदि रजिस्ट्रिकरण प्रमाणपत्र पर नियम 7 के उपनियम (3क) द्वारा परन्तु द्वारा अधिदित फोटो या अंगुलि चिन्ह नहीं लगे हुए हैं, तो रजिस्ट्रिकरण अधिकारी, मजिस्ट्रेट या ऐसा पुलिस अधिकारी, जो निरीक्षक की पंक्ति से नीचे का नहीं है, विदेशी से यह अपेक्षा

कर सकेगा कि वह या तो अपने पासपोर्ट आकार के फोटो की चार प्रतियां, जिनमें से एक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र पर चिपकाई जायेगी और जिस पर उस अधिकारी की मोहर लगाई जायेगी, पेश करे या अपनी अंगुलि छापों के चार पूरे सेट वे जिसमें से एक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र पर लगाया जायेगा। अंगुलि चिन्ह अधिकारी की उपस्थिति में लगाये जायेंगे और प्रत्येक सेट उसके द्वारा अनुप्रमाणित किया जायेगा।

परन्तु यह और कि यदि रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र पर अंगुलि चिन्हों का एक सेट लगा है तो वह रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, मजिस्ट्रेट या पुलिस अधिकारी, जो निरीक्षण की पंक्ति से नीचे का नहीं है, अंगुलि छापों की शुद्धता के विषय में अपना समाधान करने के लिये विदेशी से यह अपेक्षा कर सकेगा कि वह मिलावट के लिये अंगुलि चिन्हों का एक और सेट प्रस्तुत करे।

11. पते में अनुपस्थिति की रिपोर्ट—(1) यदि किसी समय कोई विदेशी अपने रजिस्ट्रीकृत पते से निरन्तर छठ सप्ताह या उससे अधिक अवधि के लिये अनुपस्थित रहता पाया जाता है या अपने रजिस्ट्रीकृत पते में परिवर्तन कर रहा है या वह अंतिम रूप से भारत में प्रस्थान कर रहा है, तो वह खबरे जाने से पहले अपने रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के अधिकारिता से या तो अस्थायी रूप से या स्थायी रूप से चले जाने की प्रत्याशा की सूचना स्वयं या किसी प्राधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से या रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा देगा। उस दशा में जब वह वापिस आ रहा हो वापिस आने की तारीख की और दूर संचारण की दशा में पते में परिवर्तन की सूचना रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को देगा।

(2) प्रत्येक विदेशी जो उस जिले से भिन्न, जिसमें उसका रजिस्ट्रीकृत पता स्थित है, किसी अन्य जिले में किसी स्थान पर छठ सप्ताह से अधिक अवधि के लिये ठहरता है, उस अन्य जिले में अपनी उपस्थिति की रिपोर्ट उस जिले के रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को देगा:

(3) उपनियम (2) द्वारा अपेक्षित रिपोर्ट लिखित रूप में की जा सकेगी और यदि विदेशी उस जिले से भिन्न जिसमें उसका रजिस्ट्रीकृत पता स्थित है, किसी अन्य जिले में अपने आगमन से पूर्व उक्त जिले के रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को उक्त जिले में अपने प्रस्तावित आगमन और उससे प्रस्तावित प्रस्थान की तारीखों की सूचना दे देता है तो वह समझा जायेगा कि उक्त उपनियम की अपेक्षाएं पूरी हो गई हैं:

12. रजिस्ट्रीकृत पते में परिवर्तन—(1) किसी विदेशी के बारे में यह समझा जायेगा कि उसने अपने रजिस्ट्रीकृत पते में तब परिवर्तन कर दिया है, यदि,

(क) वह भारत से प्रस्थान कर देता है;

(ख) वह अपना निवास स्थान भारत में एक स्थान से दूसरे स्थान को परिवर्तित कर देता है;

(ग) वह, कोई निवास स्थान न होने पर, अपने रजिस्ट्रीकृत पते को यह जानते हुए छोड़ देता है कि उसे छोड़ने के छह मास के भीतर उसके वहां वापिस आने की संभावना नहीं है; या

(घ) किसी मामले में जिसे नियम 6 के उपनियम (3) का पहला परन्तुक लागू होता है, या तो वह या, वह भारतीय नागरिक जिसका पता उसका रजिस्ट्रीकृत पता समझा गया है, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को उस नियम के उपनियम (4) द्वारा उस पर अधिरोपित बाध्यताओं से मुक्त किये जाने के लिये आवेदन करता है या किसी समय उनका निर्वाहन करने में असफल रहता है;

परन्तु इस उपनियम का खंड (ग) किसी ऐसे मामले को लागू नहीं होगा जिसमें नियम 5 के उपनियम (3) के दूसरे परन्तुक के अनुसार विदेशी का रजिस्ट्रीकृत पता उस जिले के रजिस्ट्रीकरण अधिकारी का कार्यालय है, जिसमें उस भारत में उसके आगमन पर प्रथम बार रजिस्ट्रीकृत किया गया था।

13. पते के परिवर्तन से भिन्न परिधान की रिपोर्ट—नियम 11 और 12 के उपबन्धों पर प्रतिकूल प्रभाव डालने बिना, प्रत्येक विदेशी उस जिले के रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को, जिसमें उसका रजिस्ट्रीकृत पता स्थित है, उन परिस्थितियों को विनिश्चित करने के लिये किसी भी प्रकार से उसके रजिस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र में अभिलिखित विनिश्चितियों की यथार्थता पर प्रभाव डालता है, परिस्थितियां घटित होने के पश्चात् चौबह दिन के भीतर देगा और माध्याह्नक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को ऐसी सगस्त जानकारी देगा जो प्रमाणपत्र की यथार्थता बताए रखने के लिए आवश्यक है।

14. नियम 11 के उपनियम (1) की कोई बात ऐसे विदेशी के मामले में लागू नहीं होगी जिसकी बाबत नियम 6 के उपनियम (3) के परन्तुक के अनुसरण में किसी भारतीय नागरिक का पता उसका रजिस्ट्रीकृत पता समझा गया है।

15. होटल चलाने वालों को और उनके द्वारा की जाने वाली रिपोर्ट—(1) प्रत्येक होटल चलाने वाला होटल में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति से यह अपेक्षा करेगा कि वह होटल में अपने आगमन पर उस प्रयोजन के लिए रखे गए रजिस्टर में प्रथम च में अपना नाम और राष्ट्रिकता अभिलिखित करने के लिए आवश्यक विनिश्चितियां दे और हस्ताक्षर करे और यदि ऐसा आगन्तुक विदेशी है तो उससे यह अपेक्षा भी करेगा कि वह—

(क) ऐसे होटल में अपने आगमन पर उक्त रजिस्टर की मद 4 से 10 में विनिश्चित अन्य विनिश्चितियां दे, और

(ख) ऐसे होटल से अपने प्रस्थान के समय उक्त रजिस्टर में अभिलिखित करने के लिए आवश्यक विनिश्चितियां, अपने प्रस्थान की तारीख और समय तथा वह पता दें जहां वह जा रहा है।

(2) उपनियम (1) द्वारा विहित रजिस्टर किसी रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, मजिस्ट्रेट या ऐसे पुलिस अधिकारी द्वारा जो हैड कांस्टेबल का पंक्ति से नीचे का नहीं है, मांग किए जाने पर, निरीक्षण के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।

(3) होटल में आने वाला प्रत्येक आगन्तुक, होटल चलाने वाले द्वारा ऐसा करने की अपेक्षा किए जाने पर, उपनियम (1) में निर्दिष्ट रजिस्टर में अपना नाम और राष्ट्रिकता अभिलिखित करने के लिए विनिश्चितियां देगा और हस्ताक्षर करेगा और यदि ऐसा आगन्तुक विदेशी है तो वह—

(क) ऐसे होटल में अपने आगमन पर उक्त रजिस्टर की मद 4 से 10 तक में विनिश्चित अन्य विनिश्चितियां भी देगा; और

(ख) ऐसे होटल से अपने प्रस्थान के समय उक्त रजिस्टर में अभिलिखित करने के लिए आवश्यक विनिश्चितियां अपने प्रस्थान की तारीख और समय तथा वह पता भी देगा जहां वह जा रहा है।

(4) होटल चलाने वाले या आगन्तुक के हस्ताक्षर से भिन्न प्रत्येक ऐसी विनिश्चित जिसका उक्त रजिस्टर में अभिलिखित किया जाना इन नियम द्वारा अपेक्षित है, होटल चलाने वाले द्वारा और यदि वह ऐसा कर सकता है तो अंग्रेजी भाषा में अन्यथा किसी भारतीय भाषा में, अभिलिखित की जाएगी।

(5) यदि कोई आगन्तुक अंग्रेजी भाषा नहीं समझता है तो होटल चलाने वाले को यह कर्तव्य होगा कि वह अनुरोध किए जाने पर, आगन्तुक को इस नियम और प्ररूप च का अधोक्षण समझाए।

(6) होटल चलाने वाला किसी विदेशी के आगमन के पश्चात् यथाशीघ्र, किन्तु अधिक से अधिक चौबीस घण्टे के भीतर, ऐसे विदेशी द्वारा दी गई विनिर्दिष्टों से सम्यक रूप से भरे गए प्ररूप ग को एक प्रति रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को भेजेगा।

(7) इस नियम के प्रयोजन के लिए—

(क) "होटल" के अन्तर्गत भोजनालय, क्लब, डाक बंगला, रेस्ट हाउस, पेइंग गैस्ट हाउस, मराया या इसी प्रकार का अन्य परिसर भी है;

(ख) "होटल चलाने वाला" से वह व्यक्ति अभिप्रेत है जो किसी होटल का प्रबंध करता है और इसके अन्तर्गत उसके द्वारा प्राधिकृत और इस नियम के अधीन, होटल चलाने वाले के कर्तव्यों का पालन करने के लिए मक्षम व्यक्ति भी है;

(ग) "हस्ताक्षरक करना" के अन्तर्गत, ऐसे आगन्तुक को बाधत जो लिखने में अग्रमर्थ है, अंगूठा चिन्ह या ऐसा अन्य चिन्ह लगाता भी है जिसके द्वारा वह किसी दस्तावेज को अनुप्रमाणित करने का अभ्यस्त है; और

(घ) "आगन्तुक" से वह व्यक्ति अभिप्रेत है जिसके लिए होटल में वास सुविधा प्रदान की जाती है।

(8) प्ररूप ग की प्रतियां आवेदन देकर किसी रजिस्ट्रीकरण अधिकारी से अभिप्राप्त की जा सकती हैं।

16. प्रस्थान के समय रजिस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र का अभ्यर्पण :

(1) प्रत्येक विदेशी, जो भारत से अंतिम रूप से प्रस्थान करने वाला है, अपने रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र या तो उस स्थान के जहां वह रजिस्ट्रीकृत है या उस स्थान के जहां से प्रस्थान करने की उसकी प्रत्याशा है रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को या भारत से निकास के पत्तन/जांच चौकी पर अप्रवास अधिकारी को अभ्यर्पित करेगा। यदि निकास पत्तन या जांच चौकी के अप्रवास अधिकारी से भिन्न किसी अन्य को प्रमाणपत्र का अभ्यर्पण किया जाता है तो दस्तावेज के ऐसे अभ्यर्पण को दणित करने वाली एक रसीद प्राप्त की जाएगी और अप्रवास अधिकारी को दिखलाई जाएगी।

(2) प्रत्येक यात्री जो ऐसा यात्री नहीं है जिसके लिए सरकार द्वारा या उसकी ओर से बर्त रखवाई गई है जो किसी जलयान पर भारत से प्रस्थान करने वाला है, ऐसे जलयान का प्रबंध करने वाले व्यक्ति के अनुरोध पर प्ररूप में उपर्युक्त विनिर्दिष्टों से युक्त सही विवरण लिखित रूप में देगा या बिलवाएगा।

17. जलयान के मास्टर, आदि की बाध्यताएँ—(1) भारत में किसी स्थान पर पहुँचने या वहाँ से जाने वाले प्रत्येक जलयान का मास्टर या उसका प्रबंध करने वाला व्यक्ति—

(क) प्रत्येक ऐसे व्यक्ति से, जिसका आणख भारत में प्रवेश करने या भारत से जाने के प्रयोजन के लिए किसी ऐसे जलयान से उतरने या उसमें चढ़ने का है, अपेक्षा करेगा कि वह, प्ररूप घ में उपर्युक्त विनिर्दिष्टों से युक्त सही विवरण लिखित रूप में दे।

(ख) आगमन या प्रस्थान के स्थान पर रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को प्ररूप घ परिवर्त करवाएगा;

(ग) यह सुनिश्चित करने के लिए कार्यवाही करेगा कि कोई विदेशी तब तक न तो उतरे या चढ़े जब तक उसे रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा ऐसा करने के लिए प्राधिकृत नहीं कर दिया जाता;

(घ) यदि रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा ऐसा अनुरोध किया जाए तो, भारत से प्रस्थान करने वाले किसी विदेशी यात्री से यह अपेक्षा करेगा कि वह अपना रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र अभ्यर्पित कर दें और ऐसा प्रमाणपत्र रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को परिवर्त कर दे;

(ङ) यदि रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा ऐसी अपेक्षा की जाए तो, उक्त स्थान पर आगमन पर लिखित रूप में एक सही विवरण देगा जिसमें ऐसे जलयान पर नियोजित प्रत्येक नाविक का नाम और राष्ट्रिकता दणित होगी और ऐसे स्थान से प्रस्थान करने समय ऐसी कार्यवाही करेगा जो रजिस्ट्रीकरण अधिकारी यह अभिनिश्चित करने के लिए विनिर्दिष्ट करे कि पूर्वोक्त प्रकार का कोई नाविक, जो विदेशी है, ऐसे जलयान पर प्रस्थान करने वाला है या नहीं; और

(च) साधारणतः रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को ऐसी सहायता प्रदान करेगा जिसकी वह अधिनियम और इन नियमों के प्रयोजन को कार्यान्वित करने के लिए युक्तियुक्त रूप से अपेक्षा करे।

(2) समुद्र मार्ग से भारत में किसी स्थान पर पहुँचने वाले या वहाँ से जाने वाले जलयान का मास्टर या उसका प्रबंध करने वाला व्यक्ति किसी यात्री के उतरने या चढ़ने से पूर्व ऐसे स्थान के रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को प्ररूप ङ में यात्री सूची देगा।

(3) विदेशी यात्री के हस्ताक्षर से भिन्न प्रत्येक विनिर्दिष्ट जो इस नियम द्वारा, प्ररूप घ में अभिलिखित की जाओ अपेक्षित है—

(क) यदि यात्री अंग्रेजी भाषा लिख सकता है तो यात्री द्वारा अंग्रेजी भाषा में अभिलिखित की जाएगी;

(ख) यदि यात्री अंग्रेजी भाषा नहीं लिख सकता है तो यात्री द्वारा किसी भारतीय भाषा में अभिलिखित की जाएगी; या

(ग) यदि यात्री अंग्रेजी भाषा या भारतीय भाषा नहीं लिख सकता है तो जलयान के मास्टर द्वारा या ऐसे जलयान का प्रबंध करने वाले किसी व्यक्ति द्वारा या ऐसे मास्टर या कर्मिक द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी नाविक द्वारा अंग्रेजी भाषा में या किसी भारतीय भाषा में अभिलिखित की जाएगी।

(4) यदि कोई विदेशी यात्री अंग्रेजी भाषा या भारतीय भाषा नहीं समझता है तो जलयान के मास्टर का यह कर्तव्य होगा कि वह, अनुरोध किए जाने पर, विदेशी यात्री को इस नियम की अपेक्षाएँ समझाए।

(5) प्ररूप ङ में अंग्रेजी भाषा में या किसी भारतीय भाषा में भरा जाएगा।

(6) प्ररूप घ और ङ की प्रतियां आवेदन देकर किसी रजिस्ट्रीकरण अधिकारी से अभिप्राप्त की जा सकेंगी।

18. रजिस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति—यदि इन नियमों के अधीन जारी किया गया रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र खो जाता है या नष्ट हो जाता है तो वह विदेशी, जिसका वह जारी किया गया था, अपने रजिस्ट्रीकृत पते वाले जिले के रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को, उन परिस्थितियों की जिनमें वह इस प्रकार खो गया था या नष्ट हो गया था, रिपोर्ट रजिस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति जारी करने के लिए लिखित आवेदन के साथ करेगा या भेजेगा।

[सं. 25020/79/89 एक.प्राई.]

विनय झा, संयुक्त सचिव

विदेशियों का रजिस्ट्रेशन नियम, 1990

प्ररूप क

(नियम 6)

(चार प्रतियों में भरा जाना है)

भाग 1—रजिस्ट्रेशन रिपोर्ट।

भाग 2—रजिस्ट्रेशन रिपोर्ट की दूसरी प्रति।

भाग 3—रजिस्ट्रेशन का प्रमाणपत्र (नियम, 2, 5, 6, 7, 9, 12, 13, 15, 16 और 17 देखिए)।

भाग 4—रजिस्ट्रेशन रिपोर्ट की तीसरी प्रति।

1. अम संख्यांक
2. पूरा नाम (स्पष्ट अक्षरों में उपनाम पहले)
3. लिंग उन्तर् अक्षरों का रंग
4. जन्म की तारीख और स्थान
5. वर्तमान राष्ट्रकता
6. पूर्ववर्ती राष्ट्रकता (यदि कोई हो)
7. वर्तमान राष्ट्रकता अर्जित करने की रीति और तारीख
8. अर्जोद्विका या वृत्ति और भारत भ्रमण का प्रयोजन
9. यदि किसी देश की नौसेना, सेना या वायु सेना या उसकी आरक्षितियों, का सदस्य है तो यह बताएं कि कौन से देश का है और क्या रैंक है
10. पामपोर्ट का संख्यांक, तारीख और उसे जारी करने वाले कार्यालय या पहचान के अन्य सूचन की विशेष्यता
11. भारत में पता या आश्रित पता
12. भारत में पोतारोहण या भारत से प्रस्थान का पत्तन या स्थान
13. भारत में आगमन की तारीख और स्थान
14. भारत में जिस जलपान से आगमन किया उसका नाम या आगमन कैसे किया
15. भारत के बाहर अंतिम निवास स्थान का पता
16. पति/स्त्री और बच्चों के नाम और उसकी राष्ट्रकताएं (यदि वे परिवर्षक के साथ हैं)
17. रजिस्टर किए जाने वाले को हस्ताक्षर
18. रजिस्ट्रेशन के आवेदन की तारीख (केवल पर्यटक के लिए)

(हस्ताक्षरित)

मूद्रा

हस्ताक्षरित रजिस्ट्रेशन अधिकारी

..... में 19..... को रजिस्ट्रेशन ।

रजिस्ट्रेशन निम्नलिखित को अन्तरित किया गया—

जिला	तारीख	रूप 1 वाले जिले के रजिस्ट्रेशन अधिकारी के हस्ताक्षर और मूद्रा
1	2	3
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		

सूचना

1. प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत विदेशी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह :-

- (i) किमी रजिस्ट्रीकरण अधिकारी या मजिस्ट्रेट या ऐसे पुलिस अधिकारी द्वारा, जो हैड कांस्टेबल का पंक्ति से नीचे का नहीं है, मांग किए जाने पर इस प्रमाणपत्र को और अपने पासपोर्ट या पहचान के ऐसे अन्य सचूत को पेश करे जिन्होंने अपने ऐसे मजिस्ट्रेट या अधिकारी द्वारा अपेक्षा की जाए।
- (ii) यदि भारत से अंतिम रूप से प्रस्थान करने वाला है तो जहाँ वह रजिस्ट्रीकृत है उस स्थान के या जहाँ से उनका प्रस्थान करना आवश्यक है उस स्थान के रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को या भारत से निकास के पत्तन/जॉय चौकी के अप्रवास अधिकारी को उनके रजिस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र का अभ्यर्पण करें।
- (iii) उस जिले के रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को जिसमें उसका रजिस्ट्रीकृत पता स्थित है अवगत रूप से या किमी प्राधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से या डाक प्रमाणित के अधीन या द्वारा सूचित करें:
 - (क) यदि वह अपने रजिस्ट्रीकृत पते से निरन्तर आठ सप्ताह या उससे अधिक की अवधि के लिए अनुपस्थित रहना चाहता है तो अपना रजिस्ट्रीकृत पता छोड़ने से पूर्व अपना उस पते या उन पतों को जहाँ वह ठहरना चाहता है और उस तारीख की जिसको उसे अपने रजिस्ट्रीकृत पते पर वापस आने की प्रत्याशा है,
 - (ख) यदि वह अपने रजिस्ट्रीकृत पते में परिवर्तन करना चाहता है या भारत छोड़ना चाहता है तो अपने नए पते और प्रस्तावित परिवर्तन या प्रस्थान की तारीख की रिपोर्ट करे, और
 - (ग) उन परिस्थितियों की रिपोर्ट करे जिनसे किसी भी प्रकार से उसके रजिस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र में उपर्युक्त किन्हीं बिनिष्ठियों की यथार्थता पर प्रभाव पड़ता है;
- (iv) यदि वह उस जिले से भिन्न जिले में उसका रजिस्ट्रीकृत पता स्थित है किमी अन्य जिले में (होटल या अन्य ऐसे परिसर से भिन्न जहाँ यात्रियों को रास सुविधा दी जाती है) किसी स्थान पर आठ सप्ताह से अधिक ठहरना है, तो उस अन्य जिले में अपनी उपस्थिति की रिपोर्ट उस जिले के रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को अपने आगमन के सात दिन के भीतर करे।

2. पर्यटनी आवश्यकतों के अनुपालन में अपकट रहने पर, इस प्रमाणपत्र के धारक को कारावास या ज़ुबानि से या दोनों से दण्डित किए जाने के भारी बनाएगी।

विदेशियों का रजिस्ट्रीकरण नियम, 1990

प्ररूप ख

रजिस्ट्रीकरण का अस्थायी प्रमाणपत्र

(नियम 7)

क. संख्यांक.....

श्री.....को, जो.....राष्ट्रिकता का विदेशी है और जो.....19.....को भारत पहुंचा है, निदेश दिया जाता है कि वह रजिस्ट्रीकरण के प्रयोजन के लिए सात दिन के भीतर.....को.....में रिपोर्ट करे।

(स्थान)

2. एक सप्ताह की अवधि के लिए या जब तक ऊपर विहित रिपोर्ट नहीं कर दी जाती है, जो पूर्वतर हो, इस प्ररूप को प्ररूप क के भाग 3 में रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र समझा जाएगा और उसे किसी रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, मजिस्ट्रेट या ऐसे पुलिस अधिकारी द्वारा, जो हैड कांस्टेबल की पंक्ति से नीचे का नहीं है, मांग किए जाने पर पेश किया जाना आवश्यक है।

3. यदि किसी कारण से पैरा 1 में विहित रिपोर्ट एक सप्ताह के भीतर नहीं की जा सकती तो इस प्ररूप के धारक को निदेश दिया जाता है कि वह निम्न हस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में या निकटतम रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में स्वयं रिपोर्ट करे और रजिस्ट्रीकरण के बारे में ऐसे निदेशों का अनुपालन करे जो तब उसे दिए जाएंगे।

4. प्ररूप की बातें उसके धारक को समझा दी गई हैं।

(हस्ताक्षरित)

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी

विदेशियों का रजिस्ट्रीकरण नियम, 1990

प्ररूप ग

होटल आगमन रिपोर्ट

(नियम 15)

(दो प्रतियों में भरा जाए)

1. होटल का नाम :

2. विदेश आगमन का पूरा नाम

3. राष्ट्रिकता
4. पासपोर्ट की संख्या, तारीख और उम्मे जागे करने का स्थान
5. भारत में पता
6. भारत आगमन की तारीख
7. कहाँ से आया है
8. क्या भारत में नियोजित है—हां या नहीं
9. भारत में ठहरने की प्रस्तावित अवधि
10. रजिस्ट्रेशन के प्रमाणपत्र का यदि कोई है, संख्या, तारीख और जारी करने का कार्यालय :

प्रबन्धक के हस्ताक्षर

विदेशियों का रजिस्ट्रेशन नियम, 1990

प्रकार घ

(नियम 5, 16 और 17)

अप्रवास काई

(कृपया प्रस्थान के समय प्रयोग के लिए प्रस्थान काई का प्ररूप रखिए)

भारत सरकार अप्रवास काई	आई.सी. संख्या आगमन
नाम : (कृपया स्पष्ट अक्षर लिखें)	
उपनाम	पहला नाम
जन्म की तारीख	अन्य नाम
<div style="border: 1px solid black; width: 100px; height: 40px; margin: 0 auto;"></div>	<div style="border: 1px solid black; width: 100px; height: 40px; margin: 0 auto;"></div>
दिन	मास
जन्म स्थान	स्थान देश
राष्ट्रिकता	
पासपोर्ट सं.	जारी करने का स्थान
बीजा संख्या	तारीख
भारत में रुकने का पता :	
पोतारोहण पत्तन	
उड़ान सं.	

क्या आप पिछले छह दिनों के दौरान अफ्रीका/वेस्ट इंडीज/लैटिन अमेरिका के पीन ज्वर परिक्षेत्र में रहे है/यात्रा की है।

हस्ताक्षर

आई.सी. सं.

प्रस्थान

(भारत के निवासियों द्वारा न भरा जाए)

उपनाम	पहला नाम	अन्य नाम
जन्म की तारीख	जन्म की तारीख	जन्म की तारीख
<div style="border: 1px solid black; width: 100px; height: 40px; margin: 0 auto;"></div>	<div style="border: 1px solid black; width: 100px; height: 40px; margin: 0 auto;"></div>	<div style="border: 1px solid black; width: 100px; height: 40px; margin: 0 auto;"></div>
राष्ट्रिकता	राष्ट्रिकता	राष्ट्रिकता
पासपोर्ट सं.	पासपोर्ट सं.	पासपोर्ट सं.
भारत में आगमन पत्तन		हस्ताक्षर

सीमा शुल्क

नाम :

पैकेजों की संख्या : (क) पैक किए गए

(ख) बस्ती

आयात किए गए शुल्कय माल का कुल मूल्य :

उद्घात संख्या

हस्ताक्षर

टिप्पण :

(1) शुल्कय माल के साथ दूरी पट्टी से चक्का मिट्टी बोधना है और अधिहरण/शास्ति के लिए दायी है।

(2) परिवारों/शिकायतों/स्पष्टीकरण के लिए कृपया कर्तव्यारण सहायक कलक्टर से यात्री सामान क्षेत्र छोड़ने से पहले मिले।

महत्वपूर्ण

1. पर्यटकों के लिए शुद्ध रियायत

(उनको छोड़कर जो नेपाली मूल के हैं)

शुल्क दिए बिना अनुज्ञात माल का मूल्य

(क) भारतीय मूल के पर्यटक

2000/-

(ख) अन्य

500/-

पर्यटक को शुल्क मुक्त आयात को समर्थ बनाने के लिए पुनः नियमित के लिए आशयित उच्च मूल्य मर्चों की घोषणा करनी होगी।

2. उनके लिए शुल्क रियायतें जो पर्यटक नहीं हैं

(उनको छोड़कर जो श्रीलंका, मालदीव और नेपाल के हैं)

12 वर्ष से अधिक आयु के यात्रियों के लिए शुल्क दिए बिना वास्तविक यात्री सामान का मूल्य--2000/- रुपये।

3. भारतीय करेंसी का आयात निषिद्ध है। कृपया विदेशी मुद्रा की घोषणा करें (यूएस 1000 डॉलर या समतुल्य से अधिक मात्रा बैंकों सहित)

4. यदि आपको यात्री सामान के दुरुपयोग किए जाने की प्रत्यक्षता है तो कृपया सीमा शुल्क से प्रमाणपत्र प्राप्त करें।

विदेशियों का रजिस्ट्रेशन नियम, 1990

प्रत्येक

(नियम 17)

(यात्रा सूची)

पोत परिवहन कंपनी का नाम

जलयान का नाम

भारत में पोतारोहण/पोतावरोहण का पत्तन और तारीख

क्रम सं.	यात्रा का नाम	राष्ट्रियता	पोतारोहण का पत्तन (विदेश में)	पोतावरोहण का पत्तन (विदेश में)
1	2	3	4	5
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				

विदेशियों का रजिस्ट्रेशन विधम, 1990

प्रस्ताव

होटल रजिस्टर

(विधम 15)

1. क्रम संख्यांक
2. यागुत्तक का पूरा नाम (स्पष्ट अक्षरों में अनामक पदों)
3. राष्ट्रियता
4. पासपोर्ट का संख्यांक, तारीख और उसे जारी करने का स्थान
5. भारत में पता
6. भारत में आगमन की तारीख :
7. क्या भारत में नियोजित है, हाँ या नहीं
8. भारत में ठहरने की प्रस्तावित अवधि
9. वहाँ से आया है
10. रजिस्ट्रेशन के प्रमाणपत्र का, यदि कोई हो, संख्यांक, तारीख और उसे जारी करने का स्थान
11. भ्रमण का प्रयोजन
12. होटल से प्रस्थान की तारीख और समय
13. वह पता कहाँ आ रहा है
14. यागुत्तक के हस्ताक्षर

No. 25022/79/89-F. I

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th January, 1991

G.S.R. 37(E).—The following draft of the Registration of Foreigners Rules, 1990, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 3 of the Registration of Foreigners Act, 1939 (16 of 1939) and in supersession of the Registration of Foreigners Rules, 1939, is hereby published as required by the said section for the information of the persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the Central Government on or after the expiry of a period of forty-five days from the date of publication of this Notification in the Official Gazette.

Any objection or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the aforesaid period will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. Short title, commencement and extent : (1) These rules may be called the Registration of Foreigners Rules, 1990.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

(3) They extend to the whole of India.

2. Definitions.—In these rules unless there is anything repugnant to the subject or context,

(a) "Act" means the Registration of Foreigners Act, 1939 ;

(b) "Certificate of registration" means a certificate of registration issued in pursuance of rule 7 ;

(c) "Form" means any Form appended to these rules ;

(d) "Master of the vessel" includes the pilot of an aircraft and any person authorised by such master or pilot to discharge on his behalf any of the duties imposed upon him by these rules ;

(e) "passenger" means any person travelling or seeking to travel on vessel who is not a bonafied seaman ;

(f) "registered address" means a foreigners' address in India as reported under rule 6 and recorded in item 11 of his Certificate of Registration ;

(g) "Registration Officer" means a Registration Officer appointed by the Central Government under rule 3 and includes an authority authorised in writing by a Registration Officer to perform the duties of the Registration Officer on his behalf ;

(h) "residence" means ordinary dwelling place in India ;

(i) "seaman" means a person employed on, or engaged in the working of, a vessel ;

(j) "tourist" means a foreigner having no residence or occupation in India whose stay in India does not ordinarily exceed six months, who has no other object in visiting India than recreation, sightseeing or attending,

in a representative capacity, meetings convened by the Government of India or International bodies;

- (k) "vessel" includes aircraft but does not include a vessel travelling solely between ports or place in India.

3. Registration Officer—(1) The Central Government may appoint Registration Officers for the purposes of these rules for such areas as it think fit.

(2) A Registration Officer may, with the approval of the Central Government, authorise in writing any authority to perform any or all of his functions under these rules.

4. Passengers on vessels to report arrival in India. Every passenger who arrives in India on board any vessel shall on being required so to do by or behalf of, the master of the vessels, furnish true particulars as to his name and nationality, his age, sex, place of birth and address or intended address in India, the purpose of his visit and the propose length of his stay in India.

5. Report by foreigners of arrival in and departure from India by land—Every foreigner who enters or leaves India by land shall, on being required so to do by the Registration Officer of the place of arrival or departure, as the case may be, furnish to him a true statement of the particulars set out in Form D.

6. Report by a foreigner of his address in India, etc.—

(1) Every foreigner entering India or resident in India shall present in person or through a authorised representative to the appropriate Registration Officer specified in rule 7, a report (hereinafter referred to as a registration report) within the time specified in that rule.

Provided that no such report shall be necessary in the case of foreigner who enters India on a visa valid for a period of not more than one hundred and eighty days and who does not remain in India beyond the said period.

Provided further that a purdhashin woman who is accompanied by a male companion shall not be required to present the registration report in person but may do so through her male companion.

(2) Every registration report shall be made in writing in English or in Hindi language and in quadruplicate and shall contain a true statement of the foreigner's address in India and of the other particulars specified in items 2 to 10 in para IV of Form A and such of the particulars specified in items 12 to 16 thereof, as may be appropriate.

(3) For the purpose of sub-rule (2), a foreigners address in India shall be :—

- (a) the place of his residence, or
- (b) if he has no residence, the place at which, at the time of making his registration report he is for the time being living or at which he first intends to live after his arrival in India :

Provided that, subject to the approval of the Registration Officer, any foreigner who has no residence in India may, with the consent previously obtained of an Indian citizen residing in India, being a banker or a person having the management of hotel or of a tourist or travel agency, report as his address in India the name and address of the said Indian citizen shall, for so long as the provisions of sub-rule (4) are complied with, be deemed to be the foreigner's address in India.

Provided further that in case of a foreigner who has no residence in India, whose occupation is such as to necessitate frequent travelling, who is not likely to return within a reasonable time to the district in which he is at any time living and who is unable to avail himself of the provision of the foregoing proviso, the office of the Registration Officer of the district in which he has first registered upon his arrival in India shall be deemed to be his address in India.

(4) In any case to which the proviso to sub-rule (3) applies, it shall be the duty,—

- (a) of the foreigner to keep the India citizen informed of his current address; and
- (b) of the Indian citizen to furnish all such information in his possession relating to the foreigner as may be demanded for any of the purpose of the Act or of these rules by any Registration Officer, magistrate or police officer not below the rank of head constable.

(5) Copies of Form A may be obtained on application from any Registration Officer.

7. Procedure for registration.—(1) The registration report shall be presented;

- (a) in the case of a foreigner who enter India on a visa stay in India for a period of of one hundred and eighty days or less and who wishes to stay in India beyond a period of one hundred and eighty days, to the Registration Officer having jurisdiction in the place where the said foreigner is present at the time of presentation of such report;
- (b) in the case of a foreigner who enters India on a visa valid for a stay in India for a period of more than one hundred and eighty days to such Registration Officer as may be specified in this behalf by the Registration Officer of the port or other place of arrival;
- (c) in the case of a foreigner, who enters India otherwise than on a visa, to the Registration Officer having jurisdiction in the place where the said foreigner is present at the time of the presentation of such report;
- (d) in the case of a person who has become a foreigner by reason of his having ceased to be a citizen of India while residing in India to the Registration Officer having jurisdiction in the place where the said person is ordinarily resident.

(2) The registration report shall be presented —

- (a) in the case of a foreigner referred to in clause (a) of sub-rule (1), within two weeks after the expiry of one hundred and eighty days of his arrival in India;
- (b) in the case of foreigner referred to in clause (b) of sub-rule (1), within two weeks of his arrival in India;
- (c) in the case of a foreigner referred to in clause (c) of sub-rule (1), immediately after the expiry of the authorised period of stay in India;
- (d) In the case of a foreigner referred to in clause (d) of sub-rule (1), within fifteen days of his ceasing to be a citizen of India.

Explanation.—For the purpose of sub-rule (1) and sub-rule (2), the date on which the person concerned shall be deemed to have ceased to be citizen of India, shall be,

- (a) where he has voluntarily acquired the citizenship of another country by naturalisation or registration, the date of such naturalisation or registration;
- (b) where he has obtained a passport from the Government of any other country, the date on which such passport was obtained;

Provided that in the case of a person in respect of whom an order has been made under sub-section (2) of section 9 of the Citizenship Act, 1955 (57 of 1955), holding that he had acquired that citizenship of a foreign country such date shall be the date of the order aforesaid.

(3) Every foreigner presenting a registration report shall furnish to the Registration Officer such information as may be in his possession for the purpose of satisfying the said officer as to the accuracy of the particulars specified therein and shall, on being required so to do, sign the registration report and shall thereupon be entitled to receive from the said officer a certificate of registration in Part III of Form A.

Provided that, in any case in which registration report is presented, in accordance with clause (b) of sub-rule (1), by a foreigner whose address in India is not within the jurisdiction of the Registration Officer of the port or other place of arrival in India, temporary certificate in Form B shall be issued and the said foreigner shall thereafter comply with the conditions set out in Form B :

Provided further that any foreigner whose passport or other documents of identification do not, in the opinion of the Registration Officer, provide adequate proof of identity, shall be required to furnish to the Registration Officer, within such period of presenting his registration report as such officer may fix, either four copies of a photograph of himself of passport size, one of which shall be affixed to Part III of Form A and over stamped with the stamp of the Registration Officer or four complete sets of his finger impressions, one of which shall be made on Part III of Form A, whichever the Registration Officer may require. The foreigner impressions shall be made in

the presence of the Registration Officer and each set attested by him.

8. Period of validity of certificate of registration.—

The certificate of registration issued in respect of any foreigner shall be valid for so long as the foreigner does not depart from India.

9. Production of proof of identity.—(1) Every foreigner shall within twenty-four hours or demand being made of him by any Registration Officer, magistrate or police officer not below the rank of a head constable, produce, at such place as may be specified his passport or such other proof of his identity as may be required for any purpose connected with the enforcement of these rules :

Provided that the said Registration Officer, magistrate or police officer may, on sufficient cause being shown, extend the aforesaid period of twenty-four hours to such period as, in the circumstances, may be necessary for the production of the said passport or other proof of identity.

(2) Every foreigner entering India shall, on demand being made of him by the Registration Officer, deliver his passport or other proof of identity to that Officer and shall thereafter attend at such time and place as the Registration Officer may direct for the purpose of receiving back his passport.

(3) Where in pursuance of sub-rule (2) a foreigner surrenders his passport or proof of identity he shall be entitled to receive a receipt for it from the Registration Officer.

10. Production of certificate of registration.—Every registered foreigner shall, within twenty-four hours of demand being made of him by any Registration Officer, any magistrate or any police officer not below the rank of a head constable, produce or cause to be produced his certificate of registration for the inspection of such Registration Officer, magistrate or police officer.

Provided that the Registration Officer, magistrate or police officer may, on sufficient cause being shown, extend the aforesaid period of twenty-four hours to such period as, on the circumstances may be reasonably necessary for the production of the said certificate :

Provided further that if the Registration Officer, magistrate or police officer, not below the rank of an Inspector is of the opinion that the passport or other documents of identification produced by the foreigner do not furnish adequate proof of identity and if the registration certificate does not bear the photograph or finger impressions required by the second proviso to sub-rule (3) of rule 7 the Registration Officer, magistrate or police officer not below the rank of an Inspector may require the foreigner either to produce, four copies of a photograph of himself of passport size, one of which shall be affixed to the registration certificate and over stamped with the stamp of the Officer or to furnish four complete sets of his finger impressions one of which shall be made the registration certificate. The finger impression shall be made in the presence of the officer and each set attested by him :

Provided further that, if the registration certificate bears a set of finger impressions the Registration Officer, magistrate or police officer not below the rank of an Inspector, may, in order to satisfy himself of the genuineness of the finger impressions require the foreigner to furnish a further set of finger impressions for comparison.

11. Report of absence from address.—(1) If at any time a foreigner proposes to be absent from his registered address for a continuous period of eight weeks or more or he is changing his registered address or he is finally departing from India, he shall, before he leaves, inform in person or through an authorised representative or by registered post his Registration Officer of his intention to leave either temporarily or permanently the jurisdiction of the Registration Officer. In case he is returning he should inform the Registration Officer of the date of return and in case he is moving away, the change of address. Any changes made subsequently should also be intimated to the Registration Officer.

(2) Every foreigner, who stays for a period of more than eight weeks at any place in any district other than the district in which his registered address is situated, shall inform the Registration Officer of that district of his presence.

(3) The information required under sub-rule (2) may be made in writing and the requirements of the said sub-rule shall be deemed to have been fulfilled if, prior to his arrival in a district other than that in which his registered address is situated, the foreigner furnishes to the Registration Officer of the said district intimation of the dates of his proposed arrival in and departure from the said district.

12. Change in registered address.—A foreigner shall be deemed to change his registered address;

- (a) if he departs from India;
- (b) if he changes his residence from one place to another place in India;
- (c) if, having no residence, he leaves his registered address knowing that he is not likely thereafter to return there to within six months of leaving it; or
- (d) in any case to which the first proviso to sub-rule (3) of rule 6 applies, if either he or the Indian citizen whose address is deemed to be his registered address applies to the Registration Officer to be absolved from or fails at any time to discharge the obligations laid down upon them by sub-rule (4) of that rule :

Provided that clause (c) of this rule shall not apply in any case in which in accordance with the second proviso to sub-rule (3) of rule 6 the foreigner's registered address is the office of the Registration Officer of the district in which he first registered upon his arrival in India.

13. Reports of change other than of address.—Without prejudice to the provisions of rules 11 and 12 every foreigner shall furnish to the Registration

Officer of the district in which his registered address is situated particulars of any circumstances affecting in any manner the accuracy of the particulars recorded in his certificate of registration within fourteen days after the circumstance has occurred, and generally shall supply to the Registration Officer all such information as may be necessary for maintaining the accuracy of the certificate.

14. Nothing in sub-rule (1) of rule 11 shall apply the case of any foreigner in respect of whom, in pursuance of the proviso to sub-rule (3) of rule 6, the address of an Indian citizen is deemed to be his registered address.

15. Report to be made to and by hotel keepers.—Every keeper of hotel shall require every visitor to the hotel to furnish the particulars necessary for recording, and sign, on his arrival at the hotel, his name and nationality in a register maintained for the purpose in Form F and, if any such visitor is a foreigner, shall further require him:

- (a) on his arrival such a hotel to furnish the other particulars specified in items 4 to 10 of the said register; and
- (b) at the time of his departure from such a hotel to furnish the particulars necessary for recording in the said register, the date and time of his departure and the address to which he is proceeding.

(2) The register prescribed by sub-rule (1) shall at all time be made available for inspection, on the demand of any Registration Officer, any magistrate or any Police Officer no the rank of a head constable.

(3) Every visitor to any hotel shall, on being required so to do by the keeper of the hotel, furnish the particulars necessary for recording, and sign, his name and nationality, in the register referred to in sub-rule (1), and if such visitor is a foreigner, shall also—

- (a) on his arrival at such a hotel furnish the other particulars specified in items 4 to 10 of the said register; and
- (b) at the time of his departure from such hotel, furnish the particulars necessary for recording, in the said register, the date and time of his departure and the address to which he is proceeding.

(4) Every particulars, other than the signature of the keeper of a hotel or a visitor, which is required by this rule to be recorded in the said register shall be recorded by the keeper of the hotel and in the English language if he is so able, or otherwise, in an Indian language.

(5) If a visitor does not understand the English language, it shall be duty of the keeper of the hotel, if so requested to explain to the visitor the requirements of this rule and Form F.

(6) The keeper of the hotel shall, as soon as may be but not more than twenty-four hours, after the arrival of any foreigner, transmit a copy of Form C.

duly completed from the particulars furnished by such a foreigner, to the Registration Officer.

(7) For the purpose of this rule;

(a) "hotel" includes any boarding-house club dak banglow, rest house, paying guest house, sarai or other premises of like nature;

(b) "keeper of a hotel" means the person having the management of a hotel and includes any person authorised by him, and competent to perform the duties of the keeper of the hotel under this rule;

(c) "sign" includes, in respect of a visitor who is unable to write, the making of a thumb impression or other mark by means of which he is accustomed to attest a document; and

(d) "visitor" means a person for whom accommodation is provided at a hotel.

(8) Copies of Form C may be obtained, on application, from any Registration Officer.

16. Surrender of certificate of registration on departure—

(1) Every foreigner who is about to depart finally from India shall surrender his certificate of registration either to the Registration Officer of the place where he is registered or of the place from where he intends to depart or to the Immigration Officer at the port/checkpost of exit from India. If the certificate is surrendered other than to the Immigration Officer of the port or checkpost of exit, a receipt indicating such surrender of the document may be obtained and shown to the Immigration Officer :—

(2) Every passenger other than a passenger for whom a berth has been engaged by or on behalf of Government, who is about to depart from India on board any vessel shall, on the request of a person having the engagement of such vessel, furnish or cause to be furnished in writing a true statement of the particulars set out in Form D.

17. Obligations of masters of vessels etc. :—The master or the person having management of any vessel arriving at or leaving any place in India shall;

(a) require any person who intends to disembark from, or embark on any such vessel for the purpose of entering or leaving India, to furnish in writing a true statement of the particulars set in Form D, as the case may be;

(b) cause Form D to be delivered to the Registration Officer at the place of arrival or departure;

(c) take steps to ensure that no foreigner disembarks or embarks until authorised so to do by the Registration Officer;

(d) If so requested by the Registration Officer require any foreign passenger about to depart from India to surrender this certificate

of registration and deliver such certificate to the Registration Officer;

(e) if so required by the Registration Officer, furnish on arrival at the said place a true statement in writing showing the name and nationality of every seaman employed on such vessel, and at the time of departing from such place take such steps as the Registration Officer may specify to ascertain whether or not any such seaman as aforesaid who is foreigner is about to depart on board such vessel; and

(f) generally, render to the Registration Officer such assistance as he may reasonably require for carrying out the purpose of the Act and these rules.

(2) The master or the person having the management of any vessel arriving at, or leaving any place in India by Sea shall also furnish, before any passenger disembarks or embarks, to the Registration Officer of any such place, a passenger manifest in Form E.

(3) Every particular, other than the signature of a foreign passenger, which is required by this rule to be recorded in Form D, as the case may be, shall be recorded;

(a) if the passenger is able to write in English language, by the passenger and in the English language;

(b) if the passenger is unable to write in the English language, by the passenger in an Indian language; or

(c) if the passenger is unable to write either in English language or in an Indian language, by the master of the vessel or by any person having the management of such vessel or by any seaman authorised in this behalf by such master or person, in the English or in an Indian language.

(4) If a foreign passenger does not understand the English or Indian language it shall be the duty of the master of the vessel, if so requested to explain to the passenger the requirements of this rule.

(5) Form E shall be completed in English or in an Indian language.

(6) Copies of Forms D and E may be obtained, on application from any Registration Officer.

18. Duplicate certificate of registration.—If any certificate of registration, issued under these rules is lost or destroyed, the foreigner to whom it was issued, shall make or send to the Registration Officer of the district of his registered address a report of the circumstances in which it was so lost or destroyed together with an application in writing for the issue of a duplicate copy of the certificate of registration.

THE REGISTRATION OF FOREIGNERS RULES, 1990

FORM A

(Rule 6)

(To be completed in quadruplicate)

PART I —Registration report.

PART II —Duplicate Registration report.

PART III —Certificate of registration (vide rules 2, 5, 6, 7, 9, 12, 13, 15, 16 and 17).

PART IV —Triplicate of registration report.

1. Serial number.
2. Name in full (block capitals, surname first).
3. Sex Height ———— Colour of eyes ————
4. Date and place of birth.
5. Present nationality.
6. Previous nationality (if any).
7. Manner and date of acquiring present nationality.
8. Occupation or profession, and purpose of visiting India.
9. If a member of any country's naval, military or air-force, or is reserves state which country's and rank held.
10. Number, date and office of issue of passport or particulars of other proof of identity.
11. Address or in ended address in India.
12. Port or place of embarkation or departure for India.
13. Date and place of arrival in India.
14. Name of vessel on which or how arrived in India.
15. Address of last residence outside India.
16. Names of husband/wife and children and their nationalities (if accompanying the visitor).
17. Signature of registers.
18. Date of expiry of registration.

(Signed) ————
 Seal
 Signed.
 Registration Officer.

Contd. Form A

Registered at on 19

Registration transferred to :

District	Date	Signature and seal Registration Office of district in column 1
1	2	3

1.

2.

3.

4.

NOTICE.

1. Every registered foreigner is required :

(I) on the demand of any Registration Officer or Magistrate or any Police Officer not below the rank of Head Constable to produce this Certificate and his passport or such other proof of identity as may be required of him by such Magistrate or officer.

(II) to surrender his certificate of registration, if he is about to depart finally from India either to the Registration Officer of the place where he is registered or of the place from where he intends to depart or to the Immigration Officer at the port/checkpost of exit from India.

(III) to intimate in person or through an authorised representative or by post under certificate of posting the Registration Officer of the district in which his registered address is situated :

(a) before he leaves his registered address, if he proposes to be absent from his registered address for a continuous period of eight weeks or more, the address or addresses at which he proposes to stay and the date on which he expects to return to his registered address;

(b) if he proposes to change his registered address or to leave India, the particulars of his new address and the date of the proposed change or departure; and

(c) any circumstances which in any way affect the accuracy of any of the particulars set out in his Certificate of Registration.

(IV) if he stays for more than eight weeks at any place (other than a hotel or other premises where travellers are accommodated) in any district other than the district in which his registered address is situated to report his presence in that other district to the Registration Officer thereof within seven days of his arrival.

2. Failure to comply with the foregoing provisions will render the holder of this certificate liable to be punished with imprisonment or fine or both.

REGISTRATION OF FOREIGNERS RULES, 1990
FORM B
TEMPORARY CERTIFICATE OF REGISTRATION
(RULE 7)

Serial number.....

Mr..... a foreigner ofnationality who arrived in India on the19..... is directed to report to the.....atwithin seven days for the purpose of registration.

2. For a period of one week or until the report prescribed above has been made, whichever is less, this Form will be deemed to be a Certificate of Registration in Part III of Form A and must be produced on the demand of any Registration Officer, Magistrate, or Police officer not below the rank of head constable.

3. If for any reason that report prescribed in paragraph 1 cannot be made within of week the holder of this Form is directed to report its person at the office of the undersigned or of the nearest Registration Officer and to comply with such directions as to registration as may then be given.

4. The contents of this form have been explained to the holder thereof.

(Signed)
 REGISTRATION OFFICER

REGISTRATION OF FOREIGNERS RULES, 1990
FORM C
HOTEL ARRIVAL REPORT
(Rule 15)

(To be completed in duplicate)

1. Name of hotel.
2. Name of foreign visitor
 (in full in block capitals, surname first).

3. Nationality
4. Number, date and place of issue of passport.
5. Address in India.
6. Date of arrival in India.
7. Arrived from.
8. Whether employed in India—Yes or No.
9. Proposed duration of stay in India.
10. Number, date and office of issue of certificate of registration, if any.

Manager's Signature

REGISTRATION OF FOREIGNERS RULES, 1990

FORM D

(Rules, 5, 16 and 17)

IMMIGRATION CARD

(Please retain the form of departure card for use at the time of departure)

I.C. No.

GOVERNMENT OF INDIA

IMMIGRATION CARD

ARRIVAL

NAME : (PLEASE USE CAPITAL LETTERS)

SURNAME

FIRST NAME

OTHER NAMES

DATE OF BIRTH :

--	--	--	--	--	--	--

DAY

MONTH

YEAR

PLACE OF BIRTH :

PLACE COUNTRY

NATIONALITY :

PASSPORT NO.

PLACE OF ISSUE

DATE

VISA NUMBER :

ADDRESS OF STAY IN INDIA :

PORT OF EMBARKATION/

FLIGHT NO :

HAVE YOU BEEN TO/TRANSITED THROUGH ANY
COUNTRY IN THE YELLOW FEVER ZONE IN AFRICA/
WEST INDIES/ LATIN AMERICA DURING THE LAST
SIX DAYS

SIGNATURE

I.C. No.

DEPARTURE
(NOT TO BE FILLED IN BY THOSE RESIDENT IN INDIA)

NAME :

SURNAME

FIRST NAME

OTHER NAMES

DATE OF BIRTH :

--	--	--	--	--	--	--

NATIONALITY :

PASSPORT NO. :

PORT OF ARRIVAL IN INDIA :

SIGNATURE

CUSTOMS

NAME :

NO. OF PACKAGES

INCLUDING HANDBAGGAGE :

TOTAL VALUE OF DUTIABLE

GOODS BEING IMPORTED

FLIGHT NUMBERS :

SIGNATURE

**NOTE : WALKING THROUGH THE GREEN CHANNEL WITH DUTIABLE GOODS IS A MIS
DECLARATION AND LIABLE TO CONFISCATION/PENALTY
IMPORTANT**

- (1) Duty Concessions for tourists (except those of Nepalese origin) Value of goods permitted free of duty:
 - (1) Tourists of Indian Origin —Rs. 2,000/-
 - (b) Others —Rs. 500/-
- (2) Duty concessions for non-tourists (except those from Sri Lanka, Maldives and Nepal)
Bonafide baggage worth Rs. 2,000/- for passengers above 12 years free of duty.
- (3) Please declare high value items intended for re-export to enable duty free import.
- (4) Import of Indian currency prohibited, Please declare foreign money (with travellers cheques) in excess of US \$ 1,000 or equivalent).
- (5) Please obtain certificate for customs if you are expecting mishandled baggage.

REGISTRATION OF FOREIGNERS RULES, 1990

FORM E

(Rule 17)

(Passenger Manifest)

Name of shipping Company

Name of vessel

Port and date of embarkation/disembarkation in India

.....

Sl. No.	Name of passenger	Nationality	Port of embarkation (abroad)	Port of disembarkation (abroad)
1	2	3	4	5

REGISTRATION OF FOREIGNERS RULES, 1990

FORM F

HOTEL REGISTER

(Rule 15)

1. Serial No.
2. Name of visitor in full
(in block capitals, surname first)
3. Nationality.
4. Number, date & place of issue of passport.
5. Address in India.
6. Date of arrival in India.
7. Whether employed in India—Yes or No.
8. Proposed duration of stay in India.
9. Arrived from.
10. Number, date and place of issue of
Certificate of Registration, if any.
11. Purpose of visit.
12. Date and time of departure from hotel.
13. Address to which proceeding.
14. Signature of the visitor.

